Pedagogial Decisions and Nature of students Learning.

शिक्षाशास्त्रीय निर्णय और छात्र अधिगम - स्वरूप, -

Meaning of Pedagogy -

शिक्षणशास्त्र का अर्थ :-

अध्यापक जब अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के एक विशेष प्रकार के भाषा शिक्षण का प्रयोग करता है जिसे भाषा शिक्षण कहते हैं।

शिक्षणशास्त्रीय निर्णय :-

वह निर्णय जो शिक्षण शास्त्र पर आधारित होता है। उसे शिक्षणशास्त्रीय निर्णय कहते हैं। ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा सम्पूर्ण विषय वस्तु विशेष पर भाषा के नियमों के आधार पर निर्णय लिया जाता है।

शिक्षणशास्त्र के चार चरण होते हैं।

(1) उद्देश्य निर्धारण (objective formulation)

(2) अधिगम अनुभव (Learning experience) :

(3) विधि / प्रविधि एवं सामग्री (Method / Technique and Material Aids)

(4) मूल्यांकन (Evaluation)

(1) उद्देश्य निर्धारण (objective Formulation) :- अध्यापक को सबसे पहले शिक्षण उद्देश्यों को निर्धारित करना चाहिए। अतः उद्देश्यों का निर्धारण होने के बाद ही अध्यापक शिक्षण की प्रक्रिया प्रारम्भ कर सकता है।

(2) अधिगम अनुभव :- अध्यापक उद्देश्यों को निर्धारित करने के बाद उसे अधिगम अनुभव होना भी अति आवश्यक है। अधिगम अनुभव के आधार पर अध्यापक छात्रों को अच्छी तरह से शिक्षण का कार्य कर सकता है। जो अध्यापक अधिगम अनुभव में जितना ही अधिक अनुभवी होगा उसका शिक्षण अधिक प्रभावशाली होगा।

(3) विधि / प्रविधि एवं सामग्री :- इसमें अध्यापक को शिक्षण के उद्देश्यों को प्राप्त

करने के लिए समुचित विधियों एवं पाठ से सम्बन्धित सहायक सामग्री का प्रयोग करता है। इससे जब अध्यापक विधियों तथा सहायक सामग्री की सहायता से शिक्षण कार्य करता है तो छात्र आसानी से पाठ को समझ जाते हैं।

(v) मूल्यांकन (Evaluation) :— पाठ को पढ़ लेने के बाद अध्यापक छात्रों का मूल्यांकन करता है कि उन्होंने कितनी सफलतापूर्वक दिये गये ज्ञान को ग्रहण किया है। मूल्यांकन से छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों की जानकारी हो जाती है। मूल्यांकन से सामान्य तथा असामान्य छात्रों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

Learning (अधिगम)

मानव का विकास अधिगम पर आधारित है। यह जीवन के प्रारम्भ से ही सीखना प्रारम्भ कर देता है तथा सीखने की यह प्रक्रिया जीवनपर्यन्त चलती रहती है।

स्किनर के अनुसार :-

अधिगम :— व्यवहार के अर्जन में उन्नति की प्रक्रिया को अधिगम कहते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रेसे के अनुसार :-

अधिगम : अधिगम एक अनुभव है जिसके द्वारा कार्य में परिवर्तन या समायोजन होता है तथा व्यवहार की नयी विधि प्राप्त होती है।

मनोवैज्ञानिक जाने (Jane) के अनुसार अधिगम के तीन तत्व है।

(1) सीखने वाला प्राणी या अधिगमकर्ता

(2) पर्यावरण

(3) अनुक्रिया

अधिगम का प्रारम्भ ~~किसी~~ किसी समस्या अथवा बाधा उत्पन्न होने पर होता है तथा यह समस्या के समाधान तक चलता रहता है। अतः अधिगम जीवनपर्यन्त चलता रहता है।

अधिगम के उपागम / नियम

PUBG MOBILE 2nd

अधिगम के निम्नलिखित उपागम है

(1) प्रयास एवं त्रुटि

प्रयास एवं त्रुटि से अधिगम प्राप्त किया जाता है जब बहुत से किसी प्रकार की त्रुटि होती है तो उस त्रुटि को सुधारने का प्रयास करता है तथा वह सीख जाता है।

(2) निरीक्षण (observation) :- यह विधि प्रयास एवं त्रुटि से बेहतर विधि है तथा कुछ चीजों को केवल निरीक्षण से ही सीखा जा सकता है। कुछ चीजों को उन्हें महसूस करने की आवश्यकता होती है। जैसे - साईकिल चलाना, उपकरणों का प्रयोग करना, गेंद को फेंकना। कुछ गतिविधियां बहुत ही जटिल होती है तथा उन्हें केवल निरीक्षण के द्वारा नहीं सीखा जा सकता, जैसे - ~~इंजीनीय~~ इंजीनियरिंग, ड्राइंग।

(3) करके सीखना (Learn by doing) :-

इसका तात्पर्य है कि बच्चे स्वयं कोई कार्य करके सीखते है छात्रों को नयी सामग्री संक्षेप

C-4 Language across the curri.

करना, कौतूहल वार्ता करना।
प्रशिक्षण से इस प्रकार से क्रियात्मक नमूने, चित्र तथा परीक्षण में सहायता प्राप्त होती है, इस प्रकार छात्र की प्रयोगशाला में प्रयोग करके करके तथ्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।

(प) प्रशिक्षण का अंतरण (Transfer of Training) :-
किसी विशिष्ट कार्य या विषय के अधिगम करने से हमें कुछ अन्य कार्य करने में सहायता प्राप्त होती है यदि दोनों विषय के आपस में निकटता से सम्बंधित हो। जैसे - गणित द्वारा छात्र इलेक्ट्रोनिक्स सीख सकता है क्योंकि यह उसका भाग है। यदि छात्र गणित की जानकारी रखता है तो वह भौतिकी विषय के बारे में जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार प्रशिक्षण का अंतरण Ex विषय से दूसरे, दूसरे विषय में होता है।